जीवन र



जुगिन्दर ल्

SUBTITLE

by डॉ जुगिन्दर लूथरा

कॉपीराइट पृष्ठ

इस पुस्तक की सभी कवितायें जुगिन्दर लूथरा द्वारा संरक्षित है। सभी अधिकार सुरक्षित हैं। इस पुस्तक के किसी भी हिस्से को लेखक और प्रकाशक की लिखित इजाज़त के बिना डुप्लीकेट, या किसी भी रूप में या किसी भी माध्यम से उपयोग नहीं किया जा सकता है। प्रकाशक: प्रकाशक का नाम

> प्रथम संस्करण :2024 ISBN:नंबर

Contents

Co	tents	1
Pr	ace	viii
I	तम	2
	भाध्यात्मिक	2
	ारिवार	2
	ज़ेन्दगी	3
	इास्य	4
2	आध्यात्म <u>ि</u> क	8
	भगवान	8
	ब्रोत	8
	सर्वव्यापी	ç
	मोक्ष	IC
	दो दिन का मेहमान	12
	असली रूप	12

Preface

इस किताब की यात्रा को पूरा करने में बहुत लोगों ने सहायता की है। मेरी तुकबंदियों को कविता का दर्जा दे कर मुझे प्रोत्साहन दिया है। उन के सहयोग और प्रोत्साहन के बिना इसे पूरा करना संभव नहीं था।

डॉ शिववरण सिंह रघुवंशी, जयदेव तनेजा, कृष्णा शर्मा, आरती पिंटो, पंकज महरोत्रा का इस किताब के पूरा होने में हाथ है। मेरी पत्नी, डौली लूथरा ने कविताओं को सुना और संवारा। निमता रोहिनी और रश्मी ने किताब लिखने लिए प्रोत्साहित किया। प्रेम लूथरा ने कविता लिखने की योग्यता देखी

हमारे दोहते, अर्जन बीर सिंह ने फूलों की तस्वीर स्वयं लेने के बाद पुस्तक का आवरण बहुत प्यार और लगन के साथ बनाया। निमता लूथरा ने कई सुझाव दिये।

> अंत में, उन अनगिनत व्यक्तियों का धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने इस यात्रा में अपने अनुभव, कहानियाँ और सुझाव मेरे साथ साझा किये—आप सभी ने इस पुस्तक में

हो और योगदान दिया है।आप ने दिल से सराहना कर के मेरा हौसला बढ़ाया। यह पुस्तक मैं अपने गुरु जी को, अपने परिवार और आप सब को समर्पित करता हूँ जुगिन्दर लूथरा

Chapter 1

क्रम

आध्यात्मिक

भ0000

000000000

00 000 00 000000

0000 000

00000000

00 00000

0000 00 0000

परिवार

00 00000 0000

0000 0000

0000000

00000 0000000 00

000 00 000 00 0 000 000

000 0000 000 000 000

0000 00000

00000 0000

000 0000 00

000000 00 00000

 $000 \ 00 \ 00 \ 00 \ 00$

00 0000 00 00

00 000 00 00000

00000000

0000000

0000 00 0000

0000 00000 00

0000 00 0000

0000 00000

0000000000

जिन्दगी

00000 00 0000000

000000 00 0000000

0000 00000

0000 00 000

00 000 000000

 $00000 \ 0000$

000000 00 0000000000

 $\ \, \square\square\square\square\square\square\square\square$

00 0000000

000 00 0000 0 0000

000 00 000000 0 0000

000000

00 000 00 0000

000000000

0000000

00000000

0000000

000000 00 000

000000 000000 000

000 000000 000000

00 00 00 00 000

हास्य

00000 000 00 0000

000 00000 00 000 0000

0000 00 00 000

000000 000000

0000 00 00 0000

00000 00 000, 0000 00 0000

00000 000000

0000000

00000000000000000000

0000000000000000000

00000 0000

000 00000

0000000 00 00 0000000

0000000000000000

000000000000

0000 00 000

0000 000

000 00 00000

0000 000

00000 00 000000

0000 00 0000

000 00 000

Chapter 2

आध्यात्मिक

भगवान

स्रोत

000 00 00 00 0000 00000 000 00 00 00000 00000

सर्वव्यापी

00000 0000 000 000 00 0000 00 00 0000 0000 00000 000 000 0000 0000 000 0000

00000 0000 000 000 00 0000 00 00 0000 00000 00000

00000 0000...

मोक्ष

000 00000...

0000 00 000 00 000 00000

दो दिन का मेहमान

असली रूप

000000 0000 00000000 0000 00 00 00000 00000 0000 x2

हर चीज़, घटना, सोच, और पल में कविता छुपी होती है। जीवन बहुत कवितायें अनखिली रह जाती हैं। इस कविता संग्रह में ये व बाँटा है—आध्यात्मिक, परिवार, जीवन, हास्य और अंत में बुढ़ाप इन में जीवन के अलग अलग रूप मिलते हैं।

जुगिन्दर लूथरा

विविधता को प्रकट करती हैं। आधुनिक दीवाली और नाशुक्र जैसे पिरवर्तनों को दर्शाते हैं। फूल की कहानी और सुखी जीवन हमें सर्व बचपन, मां-बाप, दादा-दादी और बच्चे जैसे विषय परिवार की याद उम्र और पुनः जन्म पर कविताएं जीवन के चक्र और आध्यात्मिकत औरत और पित-पत्नी के रिश्ते पर कविताएं भी जीवन के विभिन्न बुढ़ापा और मौत जैसे विषय वर्तमान समय की कठोर वास्तविकता संवेदनाएं और हास्य का मिश्रण मिलता है। कुल मिलाकर, ये कवित प्रस्तुत करती हैं।

डॉ जुगिन्दर लुथरा द्वारा लिखित यह कविता संग्रह- जीवन यात्रा जी

डॉ स्वीवरण सिंह रघुवंश

इन की 9 पुस्तकों में से तीन के नाम हैं —जीवन तरंगिणी,